Self Respect

11-07-2014

- ✓भक्ति मार्ग में तुमने इतना समय पुरूषार्थ किया है, किसके लिए? मुक्ति के लिए । तो अब बाप पूछते हैं घर चलने का विचार है? बच्चे कहते-बाबा इसके लिए ही तो इतनी भक्ति की है । यह भी जानते हो जो भी जीव आत्मायें है, सबको ले जाना है । परनु पवित्र बनकर घर जाना है फिर पवित्र आत्मायें ही पहले-पहले आती हैं ।
- ✓इस समय तुमको रचता और रचना का ज्ञान सुनाते हैं । बाप कहते हैं मैं कल्प-कल्प, कल्प के संगमयुगे आता हूँ । नई दुनिया की स्थापना करता हूँ । पुरानी दुनिया खत्म हो जानी है ।

- ✓मैं अनेकानेक बार आया हूँ तुमको वापिस ले जाने । तुम बच्चे ही हार-जीत का पार्ट बजाते हो, फिर मैं आता हूँ ले जाने ।

- ✓भक्ति मार्ग अब पूरा होता है । बाप कहते हैं मैं तुम बच्चों को ज्ञान देने आया हूँ, जो कोई नहीं जानते । मैं ही ज्ञान का सागर हूँ । ज्ञान कहा जाता है नॉलेज को । तुमको सब कुछ पढ़ाते हैं । 84 का चक्र भी समझाते हैं, तुम्हारे में सारी नॉलेज है ।

✓एकदम पावन बनने के पुरुषार्थ में लग जाना चाहिए । बाप को याद करना मुश्किल होता है क्या! बाप के सामने बैठे हो ना । मैं तुम्हारा बाप तुमको सुख का वर्सा देता हूँ ।

✓बाप कहते हैं कोई में भी ममत्व नहीं रखो । वह तो सब कुछ खत्म होना ही है । याद तो एक बाप को ही करना है । चलते फिरते बाप और **अपनी राजधानी को याद करो ।**

- ✓बाप कहते हैं विकारों को भी छोड़ दो । हम तुमको विश्व की बादशाही देता हूँ, कितनी आमदनी होती है । तो क्यों नहीं पवित्र रहेंगे । सिर्फ एक जन्म पवित्र रहने से कितनी भारी आमदनी हो जाती है ।

- ✓सन्यासियों को दिखाना है कि कैसे हम इकट्ठे रहते पवित्र रहते हैं । तो समझेंगे इनमें तो बड़ी ताकत है । बाप कहते हैं इस एक जन्म पवित्र रहने से 21 जन्म तुम विश्व के मालिक बनेंगे ।

- ✓फकीर भी तुम हो, साहेब भी तुमको प्यारा है । अभी सबको छोड़ अपने को आत्मा समझ लिया है, ऐसे फकीरों को बाप प्यारा लगता है ।
- ✓जो भी एक्टर्स हैं, सब आत्मायें अविनाशी हैं, अपना-अपना पार्ट बजाने आती हैं । कल्प-कल्प तुम ही आकर बाप से स्ट्रडेण्ट बन पढ़ते हो । जानते हो बाबा हमको पवित्र बनाकर साथ ले जायेंगे । बाबा भी ड्रामा अनुसार बंधायमान हैं, सबको वापिस जरूर ले जायेंगे इसलिए नाम ही है पाण्डव सेना । तुम पाण्डव क्या कर रहे हो? तुम बाप से राज्य भाग्य ले रहे हो, हूबहू कल्प पहले मिसल । नम्बरवार पुरूषार्थ अनुसार ।

✓वरदान: हर घड़ी को अन्तिम घड़ी समझ सदा एवररेडी रहने वाले तीव्र पुरुषार्थी भव !

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।